VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(05 April 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ योजना की तुलना 'स्मूट-हॉली टैरिफ एक्ट' से क्यों की जा रही है?
- प्रधानमंत्री द्वारा छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान "बिम्सटेक पहलों" की घोषणा
- ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका द्वारा हिंद महासागर में 'B-2 स्पिरिट' स्टील्थ बमवर्षकों की तैनाती
- MCQ

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ योजना की तुलना 'स्मूट-हॉली टैरिफ एक्ट' से क्यों की जा रही है?

चर्चा में क्यों है?

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ घोषणाओं ने महामंदी-युग के 'स्मूट-हॉली टैरिफ एक्ट' के साथ तुलना को बढ़ावा दिया है, जिसने उस संकट को और भी बदतर बना दिया जिसे हल करने का इरादा था।

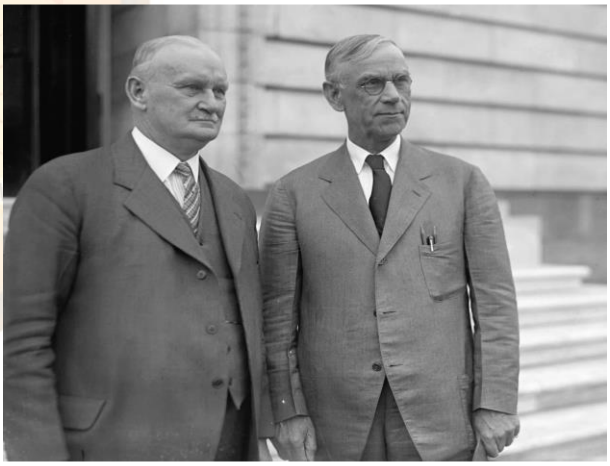

- उल्लेखनीय है कि मुक्त बाजारों को बढ़ावा देने वाले थिंक टैंक कैटो इंस्टीट्यूट के व्यापार विशेषज्ञों ने एक बयान में कहा कि "आज की घोषणा के साथ, अमेरिकी टैरिफ 1930 के स्मूट-हॉली टैरिफ एक्ट के बाद से नहीं देखे गए स्तरों पर पहुंच जाएंगे, जिसने वैश्विक व्यापार युद्ध को उकसाया और ग्रेट डिप्रेशन को गहरा किया"।

अमेरिकी कांग्रेस का 'स्मूट-हॉली एक्ट' क्या है?

- अमेरिकी कांग्रेस ने 1930 में, यूटा के सीनेटर रीड स्मूट और ओरेगन के विलिस हॉली द्वारा प्रायोजित एक विधेयक पारित किया, जिसमें अमेरिकी किसानों और

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

व्यवसायों की रक्षा के लिए 20,000 वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाने का प्रावधान था।

- राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर ने 1,000 से अधिक अर्थशास्त्रियों द्वारा हस्ताक्षरित याचिका को अनदेखा करते हुए इसे कानून में हस्ताक्षरित किया, जिसमें उन्हें इसे वीटो करने के लिए कहा गया था।
- रिपब्लिकन राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर 1928 में कृषि संरक्षणवाद पर अभियान चलाकर विजयी हुए थे। टैरिफ अधिनियम मूल रूप से अमेरिकी कृषि लॉबी की रक्षा के लिए बनाया गया था, जो प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बढ़ी हुई विदेशी मांग के कारण फली-फूली थी, लेकिन अब खुद को उपज की अधिकता के बीच कर्ज और कम वस्तु कीमतों से जूझते हुए पाया।
- हालांकि, 1929 के शेयर बाजार में गिरावट ने टैरिफ की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए एक प्रेरणा के रूप में काम किया। इस अधिनियम ने अमेरिका में आयातित सभी वस्तुओं के लगभग 25% पर आक्रामक टैरिफ लगाए।

विनाशकारी वैश्विक व्यापार युद्ध की शुरुआत:

- इस अधिनियम ने वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध को बढ़ावा दिया था। कनाडा और यूरोप सहित प्रमुख व्यापारिक साझेदारों ने अमेरिकी वस्तुओं पर बहिष्कार, कोटा और अपने स्वयं के टैरिफ के साथ जवाबी कार्रवाई की।

- उल्लेखनीय है कि जवाबी कार्रवाई करने वाले देशों को अमेरिकी निर्यात में 28-32% की गिरावट आई। साथ ही इस अधिनियम ने प्रथम विश्व युद्ध और महामंदी के प्रभावों से उभरने की कोशिश कर रहे देशों के पुनर्प्राप्ति प्रयासों को खतरे में डाल दिया।

वैश्विक महामंदी को और गहरा बनाया:

- अमेरिकी इतिहासकार के कार्यालय के अनुसार, यूरोप से अमेरिकी आयात 1929 के उच्चतम 1.3 अरब डॉलर से घटकर 1932 में केवल 390 मिलियन डॉलर रह गया, जबकि यूरोप को अमेरिकी निर्यात 1929 में 2.341 अरब डॉलर से घटकर 1932 में 784 मिलियन डॉलर रह गया। कुल मिलाकर, 1929 और 1934 के बीच विश्व व्यापार में 66 प्रतिशत की गिरावट आई।
- इन परिस्थितियों में राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने 1934 में, पारस्परिक व्यापार समझौते अधिनियम पर हस्ताक्षर किए, जिसने टैरिफ नीति के अधिकार को कांग्रेस से राष्ट्रपति कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया। इससे राष्ट्रपति को द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने और टैरिफ को जल्दी से निरस्त करने का मौका मिला।

प्रधानमंत्री द्वारा छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान "बिम्सटेक पहलों" की घोषणा:

चर्चा में क्यों है?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 अप्रैल को इस बात पर जोर देते हुए कि 'बिम्सटेक' महज एक क्षेत्रीय संगठन नहीं बल्कि समावेशी विकास और सामूहिक सुरक्षा का एक मॉडल है, साथ ही इस अवसर "बिम्सटेक पहलों" की घोषणा की।

- इन पहलों में सुरक्षा पर गृह मंत्रियों की व्यवस्था से लेकर UPI से भुगतान तंत्र को जोड़ने, ऊर्जा केंद्र से लेकर वाणिज्य मंडल तक शामिल हैं।

बिम्सटेक क्षेत्रीय सहयोग और साझा समृद्धि का एक शक्तिशाली मंच:

- प्रधानमंत्री मोदी ने बैंकॉक में छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि "बिम्सटेक दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करता है और यह क्षेत्रीय संपर्क, सहयोग और साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में उभर रहा है"।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- उन्होंने इस बात पर बहुत संतोष जताया कि बिम्सटेक चार्टर पिछले साल लागू हुआ। साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि 'बैंकॉक विज़न 2030', जिसे इस बार अपनाया गया है, बंगाल की खाड़ी के समृद्ध, सुरक्षित और समावेशी क्षेत्र के निर्माण के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।

प्रधानमंत्री के "बिम्सटेक पहलों" की सूची:

- **व्यवसाय से जुड़ी पहलें:**
  - ➢ बिम्सटेक चैंबर ऑफ कॉमर्स की स्थापना।
  - ➢ हर साल बिम्सटेक बिजनेस समिट का आयोजन।
  - ➢ बिम्सटेक क्षेत्र में स्थानीय मुद्रा में व्यापार की संभावनाओं पर व्यवहार्यता अध्ययन।
- **आईटी से जुड़ी पहलें:**
  - ➢ डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) के अनुभव को साझा करने के लिए बिम्सटेक देशों की जरूरतों को समझने के लिए पायलट अध्ययन।
  - ➢ बिम्सटेक क्षेत्र में UPI और भुगतान प्रणालियों के बीच कनेक्टिविटी।

- **आपदा प्रबंधन और राहत से जुड़ी पहलें:**
  - ➢ आपदा प्रबंधन, राहत और पुनर्वास में सहयोग के लिए भारत में आपदा प्रबंधन के लिए बिम्सटेक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना।
  - ➢ इस वर्ष भारत में बिम्सटेक आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के बीच चौथा संयुक्त अभ्यास आयोजित किया जाएगा।
- **सुरक्षा के क्षेत्र में पहल:** भारत में गृह मंत्रियों के तंत्र की पहली बैठक आयोजित करना। यह मंच साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा खतरों, आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी और मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई में प्रमुख भूमिका निभा सकता है।
- **अंतरिक्ष के क्षेत्र में पहल:** बिम्सटेक देशों के लिए जनशक्ति प्रशिक्षण हेतु ग्राउंड स्टेशन स्थापित करना, नैनो उपग्रहों का निर्माण और प्रक्षेपण, तथा रिमोट सेंसिंग डेटा का उपयोग करना।
- **क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण से जुड़ी पहलें:**
  - ➢ "बोधि (BODHI: BIMSTEC for Organised Development of Human resource Infrastructure)" अर्थात "मानव संसाधन अवसंरचना के संगठित विकास के लिए

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

बिम्सटेक" पहल। इसके तहत, हर साल बिम्सटेक देशों के 300 युवाओं को भारत में प्रशिक्षित किया जाएगा।

- ➢ भारत के वानिकी अनुसंधान संस्थान में बिम्सटेक छात्रों को छात्रवृत्ति और नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति योजना का विस्तार।
- ➢ बिम्सटेक देशों के युवा राजनयिकों के लिए हर साल प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- ➢ टाटा मेमोरियल सेंटर बिम्सटेक देशों में कैंसर देखभाल में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का समर्थन करेगा।
- ➢ पारंपरिक चिकित्सा में अनुसंधान और प्रसार के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना
- ➢ किसानों के लाभ के लिए ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं, अनुसंधान और क्षमता निर्माण के आदान-प्रदान के लिए भारत में उत्कृष्टता केंद्र।

- **ऊर्जा से जुड़ी पहलें:**
  - ➢ बेंगलुरु में बिम्सटेक ऊर्जा केंद्र ने काम करना शुरू कर दिया है।
  - ➢ इलेक्ट्रिक ग्रिड इंटरकनेक्शन पर तेजी से काम हो रहा है।
- **युवा सहभागिता से जुड़ी पहलें:**
  - ➢ इस वर्ष बिम्सटेक युवा नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।
  - ➢ बिम्सटेक हैकाथॉन और युवा पेशेवर आगंतुक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- **खेल से जुड़ी पहलें:**
  - ➢ इस वर्ष भारत में 'बिम्सटेक एथलेटिक्स मीट' का आयोजन।
  - ➢ 2027 में पहले बिम्सटेक खेलों की मेज़बानी
- **संस्कृति के क्षेत्र में पहल:** इस वर्ष भारत में बिम्सटेक पारंपरिक संगीत महोत्सव आयोजित किया जाएगा।
- **कनेक्टिविटी के क्षेत्र में पहल:** क्षमता निर्माण, अनुसंधान, नवाचार और समुद्री नीतियों में समन्वय बढ़ाने के लिए भारत में सतत समुद्री परिवहन केंद्र की स्थापना।

ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका द्वारा हिंद महासागर में 'B-2 स्पिरिट' स्टील्थ बमवर्षकों की तैनाती:

परिचय:

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया द्वीप पर छह B-2 स्पिरिट स्टील्थ बमवर्षक तैनात किए हैं। इस कदम को मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच ईरान और उसके सहयोगियों के लिए एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

- उल्लेखनीय है कि कई उपग्रह छवियों के अनुसार, यह इस क्षेत्र में इन विमानों की अब तक की सबसे बड़ी तैनाती है। छह बमवर्षक अमेरिका के कुल B-2 बेड़े का लगभग एक तिहाई हिस्सा बनाते हैं, जिसमें सिर्फ 20 विमान हैं।
- प्रत्येक बमवर्षक की कीमत 1 बिलियन डॉलर से ज़्यादा है और यह एक "मैसिव ऑर्डिनेंस पेनिट्रेटर" ले जाने में सक्षम है, जो 30,000 पाउंड का बम है जिसे ईरान के परमाणु स्थलों जैसे गहरे दबे हुए लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

ईरान और यमन पर ध्यान:

- हालांकि अमेरिका ने किसी विशिष्ट देश का नाम नहीं लिया है, लेकिन सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह तैनाती मुख्य रूप से ईरान और यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को लक्षित करके की गई है।
- एक सेवानिवृत्त अमेरिकी वायु सेना के कर्नल ने बताया कि "इन B-2 की तैनाती स्पष्ट रूप से ईरान को एक संदेश - शायद कई संदेश - भेजने के लिए की गई है। यह ईरान को परमाणु वार्ता पर लौटने या सैन्य कार्रवाई का सामना करने के लिए प्रेरित भी कर सकता है"।
- B-2 का इस्तेमाल पहले भी हूतियों के खिलाफ हमलों में किया गया था, और डिएगो गार्सिया यमन और ईरान दोनों की मारक क्षमता में है।
- उल्लेखनीय है कि B-2 स्टील्थ बॉम्बर के साथ-साथ अमेरिका इस क्षेत्र में और भी विमानवाहक पोत भेज रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, USS हैरी एस. ट्रूमैन और USS कार्ल विंसन मध्य पूर्व में काम करेंगे, जबकि USS निमित्ज़ दक्षिण चीन सागर की ओर बढ़ रहा है।

B-2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर की क्या विशेषताएं है?

- B-2 स्पिरिट बॉम्बर 18000 किलोग्राम तक के पेलोड के साथ पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जाने में सक्षम है।
- B-2 में उच्च सबसोनिक गति और लगभग 9,600 किलोमीटर की अंतरमहाद्वीपीय परिचालन सीमा है। यह 15,240 मीटर ऊंचाई कर कार्य कर सकता है।

- B-2 की विशेषताओं में से एक इसका "स्टील्थ" डिजाइन है, जो इसके इंफ्रारेड, सोनिक, विद्युत चुम्बकीय, दृश्य और रडार सिग्नेचर को कम करता है।
- B-2 के पंखों का आकार, मिश्रित सामग्री और विशेष कोटिंग्स इसकी गुप्त क्षमताओं में योगदान करते हैं, जिससे यह दुश्मन के हवाई क्षेत्र में बिना पकड़ में आये घुस सकता है और भूमिगत हथियार बंकरों जैसी भारी किलेबंद और कठोर संरचनाओं को निशाना बना सकता है।

B-2 बॉम्बर एक महत्वपूर्ण अमेरिकी परिसंपत्ति क्यों है?

- B-2 स्पिरिट की उन्नत क्षमताएं इसे भारी सुरक्षा वाले हवाई क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले मिशनों के लिए सबसे उपयुक्त विमान बनाती हैं। कठोर और भूमिगत लक्ष्यों

के विरुद्ध सटीक हमले करने की इसकी क्षमता इसे अन्य बॉम्बर्स से अलग बनाती है।

- B-2 बॉम्बर GBU-57 बम को गिराने में अद्वितीय रूप से सक्षम है, जिसे "मैसिव ऑर्डिनेंस पेनिट्रेटर" के रूप में जाना जाता है, यह बम विशेष रूप से ईरान द्वारा उपयोग किए जाने वाले गहरे बंकरों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

'सभी बमों की माँ (MOAB)':

- GBU-43/B मैसिव ऑर्डिनेंस एयर ब्लास्ट बम। MOAB को वैज्ञानिकों और समुदाय द्वारा "सभी बमों की माँ (MOAB)" भी कहा जाता है।

- यह एक बहुत बड़ा हथियार है- 9 मीटर लम्बा, 9,800 किलोग्राम वजनी, जीपीएस-निर्देशित। इसका मुख्य प्रभाव 8000 किलोग्राम टीएनटी द्वारा बनाई गई एक विशाल विस्फोट तरंग है - जो हर दिशा में एक मील तक फैलती है। यह बम भूमिगत सुविधाओं और सुरंगों को नुकसान पहुंचाने के लिए बनाया गया है।
- रूस ने अपना खुद का विशाल पारंपरिक बम विकसित किया है, जिसे 'सभी बमों का जनक (FOAB)' उपनाम दिया गया है। एक तरह का थर्मोबैरिक हथियार के रूप में जाना जाता है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

MCQ

Q.1. चर्चा में रहे 'स्मूट-हॉली टैरिफ एक्ट' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह अमेरिकी कांग्रेस द्वारा 1930 में पास एक एक्ट था, जिसके तहत अमेरिकी किसानों और व्यवसायों की रक्षा के लिए 20,000 वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाने का प्रावधान था।

2. इस एक्ट के द्वारा अमेरिका अपने घरेलू अर्थव्यवस्था को वैश्विक महामंदी से बचाने में सफल रहा था।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (a)

Q.2. चर्चा में रहे प्रधानमंत्री के "बिम्सटेक पहलों" की सूची में निम्नलिखित क्या-क्या शामिल है?

(a) बिम्सटेक चैंबर ऑफ कॉमर्स की स्थापना

(b) बिम्सटेक क्षेत्र में UPI और भुगतान प्रणालियों के बीच कनेक्टिविटी

(c) भारत में गृह मंत्रियों के तंत्र की पहली बैठक आयोजित करना

(d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

Ans. (d)

Q.3. छठे बिम्सटेक शिखर सम्मलेन से जुड़े 'बोधि (BODHI)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह बिम्सटेक का सहयोगी देशों में बौद्ध परम्परा आधारित मानव संसाधन अवसंरचना के संगठित विकास के लिए एक पहल है।
2. इसके तहत, हर साल बिम्सटेक देशों के 300 युवाओं को भारत में प्रशिक्षित किया जाएगा।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b)

Q.4. हाल ही में चर्चा में रहे 'सभी बमों की माँ (MOAB)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) इसका वास्तविक नाम GBU-43/B या मैसिव ऑर्डिनेंस एयर ब्लास्ट बम है।

(b) इसका वजन 9800 किलोग्राम तथा लंबाई 9 मीटर है।

(c) इस बम को गहराई में स्थित बंकरों और सुरंगों को नुकसान पहुंचाने के लिए बनाया गया है।

(d) उपर्युक्त सभी सही हैं।

Ans. (d)

Q.5. चर्चा में रहे 'स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह अमेरिका का अत्याधुनिक बमवर्षक विमान है, जो पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जाने में सक्षम है।

2. यह GBU-57 बम, जो ईरान द्वारा उपयोग किए जाने वाले गहरे बंकरों को नष्ट करने में सक्षम है, को गिराने में अद्वितीय रूप से सक्षम है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c)